है। शिवरात्रि पर दिंद्र स्नेत वस्त्र पहन्न कर कहा। पर कांकर लेकर परी-तालाब से जात लेकर अपने गाँव के शिवलयु में जाकर शिवती की जात बढ़ा कर अपने या में प्रवेश करते हैं।

पर हटे रहें और इस दीप के उन्होंने छोटा - सा हिंदुस्ताक बना डाता जिस पर सक्नी भारतीयी की गर्व होना चाहिए।

धन्यवाद